Total Pages : 8

3382/R

B.A. (Third Year) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper–II

(गद्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

इकाई-I

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है।' निबंध के लेखक का नाम लिखिए।

(ख) 'करुणा' किस श्रेणी का मनोभाव है?

इकाई-II

(ग) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति किसे बताया है?

(घ) शिव और शक्ति का भारतीय कला में क्या स्थान है?

इकाई-III

(ङ) 'रूपमती' के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ लिखिए।

(च) 'आकाश की छत' उपन्यास का मूल उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

इकाई-IV

(छ) 'बलहीन' एकांकी के प्रमुख पात्रों का नामोल्लेख कीजिए।

(ज) 'इतनी सी बात' एकांकी में किस प्रश्न को उठाया गया है?

इकाई-V

(झ) आँचलिक उपन्यास किसे कहते हैं?

(ञ) एकांकी के प्रमुख तत्त्व कौन-कौन से हैं?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आचरण की सभ्यताभय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघंटु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाम मात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्यताचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है. राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदुवचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खिली हुई है। नम्रता. दया, प्रेम और उदारता सबके सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है ओर उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

3. ''साहित्यकार का लक्ष्य केवल महफिल सजाना और मनोरंजन का सामान जुटाना नहीं है-उसका दरजा इतना न गिराइये। वह देशभक्ति और राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई भी नहीं, बल्कि उनके आगे मशाल दिखाती हुई चलने वाली सच्चाई है।''-कथन की युक्ति युक्त विवेचना कीजिए।

इकाई-II

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

यद्यपि ज्ञान अनंत है, पर उसका वास्तविक रूप भी वैसा ही है। इसलिए चरम और अनंत ज्ञात को पाना असंभव तो है ही नहीं, उसके साध्य के भीतर ही है। हिन्दू-साहित्य में इसलिए नित्य नवीन ज्ञान के अनुसंधान के प्रति एक प्रकार की उदासीनता का भाव है। वह उस विद्या को विद्या ही नहीं मानता, जो मुक्ति का कारण न हो, जो मनुष्य को कर्म-बंधन से छुटकारा न दिला दे। इस मत ने भी सारे हिन्दू-साहित्य को प्रभावित किया है।

5. उत्तराफाल्गुनी क्या है? डॉ. कुबेरनाथ राय ने इस निबंध में क्या विचार प्रकट किए हैं? लिखिए।

इकाई-III

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

राधा की याद आते ही उसके भीतर एक पवित्र धारा बहने लगती है और शराब का सारा गंदा वातावरण घुल जाता है। उसे लगता है कि राधा की कल्पना में वह जी रहा है। हाँ कल्पना ही है, राधा उसकी हकीकत कैसे बन सकती है? काश बन पाती! इस लगातार अकेलेपन से घायल उसके जीवन को वह साहचर्य दे पाती, उसके खालीपन को भर पाती, लेकिन यह तब कल्पना ही है न!

7. 'बदरीनाथ का व्यक्तित्व उद्दण्डता और सनकीपन के आवरण से ढँका होने पर भी पूर्ण निखार पाकर सर्वथा प्रशंसनीय बन जाता है, सच्चाई भी यही है।' इस कथन का मूल्यांकन 'आकाश की छत' उपन्यास में 'बदरी भैया' के चरित्र के संदर्भ में कीजिए।

इकाई-IV

8. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

दुनियाँ जानती है कि दाम्पत्य जीवन की जो इमारत वर-वधू के रसीले प्यार की बुनियाद पर खड़ी होती है, समय बीतने पर उसे एक सहारे की जरूरत पड़ती है, पति-पत्नी की एक-दूसरे के लिए चिन्ता और परेशानी का सहारा। प्यार का परिधान ही तो आश्वासन का आलिंगन बन जाता है।

9. 'सूरज मुखी की मुख्य पात्र' रंदिनी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

इकाई-V

10. हिन्दी एकांकी के क्रमिक विकास पर लेख लिखिए।

11. प्रेमचंद युगीन हिन्दी उपन्यास की विकास-यात्रा का वर्णन कीजिए।

खण्ड-स

12. बाबू गुलाबराय के 'भारतीय संस्कृति' निबंध के आधार पर भारतीय संस्कृति के प्रमुख अंगों का विवेचन कीजिए।

13. डॉ. कन्हैयालाल सहल ने साहित्य-मूल्यांकन के क्या-क्या मान निर्धारित किए हैं? वर्णन कीजिए।

14. 'आकाश की छत' उपन्यास में किन सामाजिक समस्याओं को उजागर किया गया है? स्पष्ट कीजिए।

15. 'पर्दे के पीछे' एकांकी की तात्त्विक समीक्षा कीजिए।